No. of Printed Pages : 7

BPYC-131

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(BDP) (B. A. PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2022

BPYC-131 : INDIAN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. Delineate the philosophy of Bhagvadgita. 20

Or

Give a detailed account of theory of causation according to Saṁkhya Philosophy.

2. How does Isavasya Upanishad reconcile among the path of renunciation, action and devotion ? Discuss. 20

Or

Write a detailed note on the doctrine of dependent origination of Buddhism.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each :

   (a) Explain the means of liberation according to Madhva. 10

   (b) How would you explain modification of Ćitta according to Yoga Philosophy ? 10

   (c) Do you agree that the fourth prasna of Prasna Upanishad deals with the transition from gross to the subtle world ? 10

   (d) What do you understand by Vyakarna, Chandas and Nirukta ? 10

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each :

   (a) Describe the theory of erroneous perception in Advaita. 5

   (b) Explain Nyaya theory of Asatkaryavada. 5

   (c) Describe Upamana according to Mimaṁsa Philosophy. 5

(d) Explain the theory of illusion according to Charvaka. 5

(e) What is the meaning of Tattvmasi in Uddyalaka's exposition ? 5

(f) Write a short note on Vaisnava Philosophy of Chaitanya. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each :

(a) Nityavibhuti 4

(b) Kevalapramana and Anupramana 4

(c) Satkaryavada 4

(d) Virupa 4

(e) Jagat in Advaitavedanta 4

(f) Meaning of Darsana 4

(g) Rajadharma according to Bhishma 4

(h) Vaishnavism 4

BPYC-131

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी. ए. दर्शनशास्त्र)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

बी. पी. वाई. सी.-131 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. भगवद्गीता के दर्शन की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

सांख्य दर्शन के कारणता सिद्धान्त का विस्तृत विवरण दीजिए।

2. इशवास्योपनिषद् किस प्रकार संन्यास, कर्म और भक्ति (समर्पण) के मध्य समन्वय स्थापित करता है ? विवेचना कीजिए। 20

अथवा

बौद्ध के प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धान्त पर एक विस्तृत टिप्पणी कीजिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(क) मध्व के अनुसार मोक्ष के साधनों की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) योग दर्शन के अनुसार चित्त की वृत्तियों (modification) की व्याख्या आप कैसे करेंगे ? 10

(ग) क्या आप सहमत हैं कि 'प्रश्न' उपनिषद् का चतुर्थ प्रश्न स्थूल से सूक्ष्म विश्व की ओर संक्रमण के विषय पर चर्चा करता है ? 10

(घ) व्याकरण, छन्द और निरुक्त से आप क्या समझते हैं ? 10

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए :

(क) अद्वैत के अनुसार भ्रामक प्रत्यक्ष का वर्णन कीजिए। 5

(ख) न्याय दर्शन के असत्कार्यवाद की व्याख्या कीजिए। 5

(ग) मीमांसा दर्शन के अनुसार 'उपमान' का वर्णन कीजिए। 5

(घ) चार्वाक के अनुसार भ्रम के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 5

(ङ) उद्यालक के विचारानुसार तत्वमसि का क्या अर्थ है ? 5

(च) चैतन्य के वैष्णव दर्शन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

5. किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) नित्याविभूति 4

(ख) केवलाप्रमाण और अनुप्रमाण 4

(ग) सत्कार्यवाद 4

(घ) विरूप 4

(ङ) अद्वैतवेदान्त दर्शन में जगत 4

(च) दर्शन का अर्थ 4

(छ) भीष्म के अनुसार राजधर्म 4

(ज) वैष्णववाद 4